

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 11 September 2026

संघर्ष से स्टॉक मार्केट में पहचान : केतन सोनावणे की यात्रा

Publisher

Published on 31 Jan 2026



सफलता को अक्सर लोग एक रात में मिलने वाला चमत्कार समझ लेते हैं, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग होती है। **केतन राजेद्र सोनावणे** की शेयर बाजार यात्रा इस सच्चाई का जीवंत उदाहरण है। यह कहानी संघर्ष, अनुशासन, धैर्य और वर्षों की निरंतर सीख से गढ़ी गई है। आज वे **14 वर्षों के अनुभव** के साथ एक सफल ट्रेडर और ट्रेनर हैं और अपने संस्थान “**वॉलस्ट्रीट ट्रेडर्स**” के माध्यम से हजारों छात्रों को प्रशिक्षित कर चुके हैं।

₹3,000 की आय और सीमित सपनों का दौर

केतन सोनावणे के जीवन में एक समय ऐसा भी था जब उनकी मासिक आय मात्र **₹3,000** थी। यही रकम उनकी पूरी दुनिया तय करती थी। वे एक मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं, जहाँ आर्थिक चुनौतियाँ हमेशा मौजूद रहती हैं। जीवन खर्चों के प्रबंधन, आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने और सपनों को टालने में ही गुजरता था।

मध्यमवर्गीय परिवार में पले-बढ़े व्यक्ति को जिम्मेदारियाँ जल्दी समझ में आ जाती हैं। हर महीने के बिल, शिक्षा खर्च, घरेलू ज़रूरतें और अचानक आने वाली परिस्थितियाँ निरंतर दबाव बनाती थीं। कोई आर्थिक सुरक्षा नहीं थी—आय रुकी तो सब कुछ रुक जाता। परिवार की चिंता ने केतन के मन में एक ही इच्छा जगाई—**ऐश्वर्य नहीं, बल्कि स्थिरता और आत्मसम्मान**।

शेयर बाजार से पहली मुलाकात

₹3,000 की आय में मेहनत करने के बावजूद आगे न बढ़ पाने की भावना उन्हें भीतर ही भीतर कचोटती थी। समाज अक्सर इंसान की काबिलियत को उसकी कमाई से आंकता है, और यह चुपचाप महसूस होता था। बहुत से लोग मानते थे कि यही उनकी सीमा है। लेकिन केतन जानते थे कि वे इससे कहीं बेहतर कर सकते हैं—बस सही रास्ता अभी मिला नहीं था।

वह रास्ता उन्हें **शेयर बाजार** में दिखाई दिया। शुरुआत में यह दुनिया जटिल और डराने वाली लगी—चार्ट, नंबर और तकनीकी शब्द। लेकिन इसमें उन्हें एक बात ने आकर्षित किया—यहाँ आगे बढ़ने के लिए पहचान या बैकग्राउंड नहीं, बल्कि **ज्ञान, विश्लेषण**

और अनुशासन चाहिए।

गलतियाँ, नुकसान और आत्मसंघर्ष

शुरुआती ट्रेडिंग दिनों में गलतियाँ आम थीं। बिना समझ के ट्रेड लेना, टिप्स पर भरोसा करना और भावनाओं के आधार पर फैसले—इन सबका नतीजा नुकसान के रूप में सामने आया। जब हर रुपया मायने रखता हो, तब नुकसान बहुत तकलीफ देता है।

कई बार आत्म-संदेह हुआ—क्या यह गैर-जिम्मेदार फैसला है? क्या यह सपना अव्यवहारिक है? परिवार का दबाव भी था और छोड़ देना सबसे आसान विकल्प लगता था।

डर नहीं, दृढ़ता का चुनाव

लेकिन केतन ने डर के बजाय **दृढ़ता** को चुना। उन्होंने गंभीरता से पढ़ाई शुरू की—टेक्निकल एनालिसिस, प्राइस एक्शन, रिस्क मैनेजमेंट और ट्रेडिंग साइकोलॉजी। उन्हें समझ आया कि शेयर बाजार भावनाओं को नहीं, बल्कि अनुशासन को इनाम देता है।

धीरे-धीरे बदलाव आने लगा। लापरवाह नुकसान की जगह छोटे लेकिन स्थिर मुनाफे आने लगे। सोचने का तरीका बदला। उन्होंने बाजार का सम्मान करना, जोखिम नियंत्रित करना और नुकसान को प्रक्रिया का हिस्सा मानना सीख लिया। यही दौर उनके लंबे करियर की नींव बना।

ट्रेडर से ट्रेनर बनने तक का सफर

समय के साथ ट्रेडिंग सिर्फ कमाई का जरिया नहीं, बल्कि एक पेशा बन गई। अनुभव ने स्पष्टता दी। केतन को एहसास हुआ कि उनकी कहानी अकेली नहीं है—लाखों मध्यमवर्गीय लोग शेयर बाजार को जुआ या अमीरों का खेल मानते हैं। वे जानते थे कि यह सोच गलत है, क्योंकि उन्होंने इसका उल्टा जिया था।

यहीं से वे केवल ट्रेडर नहीं, बल्कि **ट्रेनर** बने। उनका उद्देश्य मुनाफा दिखाना नहीं, बल्कि सच्चाई साझा करना था। उन्होंने अपने ₹3,000 वाले दिन, अपनी गलतियाँ और असफलताएँ खुलकर बताईं। यही ईमानदारी उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी।

वॉलस्ट्रीट ट्रेडर्स: कौशल निर्माण का मंच

आज 14 वर्षों के अनुभव के साथ केतन सोनावणे ने **वॉलस्ट्रीट ट्रेडर्स** के माध्यम से हजारों छात्रों—विद्यार्थियों, प्रोफेशनल्स, बिज़नेस ओनर्स और गृहिणियों—को प्रशिक्षित किया है। उनका लक्ष्य कभी सपने बेचना नहीं रहा, बल्कि **कौशल बनाना** रहा है।

उनका प्रशिक्षण केवल रणनीतियों तक सीमित नहीं है, बल्कि **माइंडसेट, रिस्क मैनेजमेंट और इमोशनल कंट्रोल** पर केंद्रित है। उनका मानना है कि एक ट्रेडर की मानसिकता किसी भी इंडिकेटर से अधिक महत्वपूर्ण होती है। अपने छात्रों को आत्मनिर्भर बनते और आत्मविश्वास से आगे बढ़ते देखना ही उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

संघर्ष से मिली सीख

आज पीछे मुड़कर देखने पर केतन मानते हैं कि उनकी मध्यमवर्गीय समस्याएँ कमजोरी नहीं, बल्कि उनके सबसे बड़े शिक्षक थीं। ₹3,000 की आय ने पैसे की कीमत सिखाई, संघर्ष ने धैर्य, असफलता ने अनुशासन और दृढ़ता ने सफलता।

केतन राजेद्र सोनावणे की कहानी यह साबित करती है कि शुरुआत अंत को परिभाषित नहीं करती। सही ज्ञान, निरंतरता और विश्वास के साथ सीमाओं से ऊपर उठना संभव है। आर्थिक संघर्ष से एक सफल शेयर बाजार ट्रेनर बनने तक की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि **सफलता विरासत में नहीं मिलती—उसे कमाया जाता है**।

और यह यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है—आगे और भी बहुत कुछ आने वाला है।

सम्मान और पहचान

केतन राजेद्र सोनावणे की इस शानदार उपलब्धि को “**Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025**” जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए चुना गया है। यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा उन उभरते उद्यमियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को

प्रोत्साहित करने के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

भव्य पुरस्कार समारोह

इस पुरस्कार समारोह में कई प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियाँ शामिल होंगी:

❑ **वर्षा उसगांवकर** – बॉलीवुड अभिनेत्री

❑ **सोनाली कुलकर्णी** – भारतीय अभिनेत्री

❑ **प्रार्थना बेहेरे** – भारतीय अभिनेत्री

यह आयोजन **श्री सुधीर कुमार पठाडे**, *Founder & CEO, Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd. (Reseal.in)* के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा, जो महाराष्ट्र के उद्यमियों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देने के लिए कार्यरत हैं

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.